>

Title: Need to restore the previous syllabus of Teachers' Education in Uttar Pradesh.

राजकुमारी रत्ना सिंह (प्रतापगढ़): नेशनल काउंसिल ऑफ टीचर एजुकेशन ने उत्तर प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय के टीचर एजुकेशन के पाठ्यक्रम को बदल दिया है जिसके कारण टीचर शिक्षा पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। एक ओर तो इसकी किताबें नहीं मिल रही हैं और दूसरी ओर इन विषयों को बढ़ाने के लिए टीचरों का अभाव है क्योंकि टीचरों को नये पाठ्यक्रम का अध्ययन करनेके लिए संबंधित पाठ्यक्रम की कोई विषय सामग्री नहीं मिल रही है। हम नःशुल्क शिक्षा और अनिवार्य शिक्षा को लागू करना चाहते हैं लेकिन टीचर एजूकेशन में पाठ्यक्रम में बदलाव एवं परिणामतः उत्पन्न होने वाली समस्याओं से इस कानून को लागू करने में दिक्कत आ सकती है। इस काउंसिल ने पाठ्यक्रम को लागू करने में किसी के साथ कोईविचार नहीं किया है। जब भीकिसी पाठ्यक्रम को बदलना होतो उसके लिए कम से कम तीन साल का समय लगाना चाहिए जब तक इसके लिए संबंधित पुस्तकें उपलब्ध न हो जाए और पढ़ाने वाले टीचरों द्वारा इसका अध्ययन पूरी तरह से न कर लें। इस संबंध में हमने मानव संसाधन विकास मंत्रालय को पत्र लिखा है। सदन के माध्यम से अनुरोध है कि जब तक नेशनल काउंसिल ऑफ टीचर एजुकेशन द्वारा जो पाठ्यक्रम बदला है रद्द न हो जाये एवं जब तक इसकी पूरी किताबें और संबधित टीचर इसका पर्याप्त एवं संतुष्टिजनक अध्ययन न कर लें तब तक पुराने पाठ्यक्रम को लागू किया जाये जिससे हम योग्य टीचरों का सृजन कर सकें।